

# DAILY CURRENT AFFAIRS



25 April 2025



UPSC (IAS/PCS) AND ALL  
COMPITETIVE EXAM



ABHAY SIR

**01**

**विश्व मलेरिया दिवस**

**02**

**शिमला समझौता 1972**

**03**

**विश्व टीकाकरण सप्ताह**

**04**

**सीताकली लोक कला**

**05**

**मेहरगढ़**

 @monikaSagar-et4mt • 20 min ago  
Live class daily ka time kya hota hai ❤️ didi and  
भाइयों



 @KavitaUpadhyay-wh7vo • 5 hr ago  
Sir ap ek sath short notes ko pdf me karva kar  
dal dijiye es month vala please s



@NeelamKumari-h5r • 21 hr ago

.धन्यवाद सर, आप बहुत अच्छा padate हैं एक बात पूछनी थी  
आपकी क्लास करने के बाद आप जो पीडीएफ प्रोवाइड कराएंगे  
वो पीडीएफ पूरी पढ़नी है या फिर आप जो शॉर्ट नोट्स देंगे उससे  
ही रिविजन हो जाएगा????????





विश्व मलेरिया दिवस



- विश्व मलेरिया दिवस (World Malaria Day)
- तिथि:
- हर साल 25 अप्रैल को मनाया जाता है।
- उद्देश्य:
- मलेरिया की रोकथाम, नियंत्रण और उन्मूलन के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना।
- सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं को मलेरिया के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रेरित करना।





- **स्थापना:**
- 2007 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा 60वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में इसे घोषित किया गया।
- **2024 की थीम (Theme):**
- "Accelerating the fight against malaria for a more equitable world"
- (मलेरिया के खिलाफ लड़ाई को तेज करना ताकि एक अधिक समान दुनिया बनाई जा सके)



**World Health  
Organization**



- विश्व मलेरिया दिवस 2025 की थीम क्या है - "Reinvest, Reimagine, Reignite",
- मतलब :- हमें मलेरिया के खिलाफ अपनी रणनीति को दोबारा सोचने, नए तरीकों को अपनाने और फिर से उत्साह के साथ काम करने की जरूरत है।



Let's fight the battle against Malaria



- **क्या है मलेरिया?**
- यह एक संक्रामक रोग है, जो मच्छरों के काटने से फैलता है।
- इसका कारण प्लाज्मोडियम (Plasmodium) नामक परजीवी होता है।
- **कारण (Cause):**
- मादा एनाफिलीज मच्छर (Anopheles mosquito) के काटने से होता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी को शरीर में पहुंचाता है।





- **प्रकार (Types of Plasmodium):**
- 1. Plasmodium falciparum (सबसे खतरनाक)
- 2. Plasmodium vivax
- 3. Plasmodium ovale
- 4. Plasmodium malariae
- 5. Plasmodium knowlesi (कम सामान्य)





- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, 2023 में दुनिया भर के 83 देशों में मलेरिया के 263 मिलियन मामले और 5,97,000 मलेरिया से मौतें हुईं।
- **मलेरिया को रोकने के वैश्विक और राष्ट्रीय प्रयास**
- **वैश्विक स्तर पर प्रयास**
- 1. वैश्विक मलेरिया कार्यक्रम (Global Malaria Programme - WHO):
- यह WHO की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य विश्व स्तर पर मलेरिया नियंत्रण और उन्मूलन को बढ़ावा देना है।
- इसे "वैश्विक तकनीकी रणनीति 2016-2030" द्वारा निर्देशित किया गया है।



- **इसके लक्ष्य:**
- 2020 तक: मामलों और मृत्यु दर में 40% की कमी
- 2025 तक: 75% की कमी
- 2030 तक: 90% की कमी (2015 के आधार पर)





- **2. मलेरिया उन्मूलन हेतु पहल (Malaria Elimination Initiative - Gates Foundation):**
- बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा आरंभ की गई।
- **मुख्य उद्देश्य:**
- प्रभावी इलाज की पहुँच बढ़ाना
- मच्छर नियंत्रण
- नई तकनीकों का विकास





- **3. ई-2025 (E-2025) पहल - WHO:**
- 2021 में शुरू, इसका उद्देश्य 25 चिन्हित देशों में 2025 तक मलेरिया संचरण को समाप्त करना है।
- इसमें निगरानी, रोकथाम और सहयोगात्मक रणनीतियाँ शामिल हैं।





- **भारत में प्रयास**
- 1. राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NVBDCP):
- भारत सरकार का व्यापक कार्यक्रम जो मलेरिया सहित कई वेक्टर जनित रोगों (जैसे डेंगू, JE, कालाजार) के नियंत्रण पर केंद्रित है।





- **2. राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम (NMCP) - 1953:**
- प्रारंभिक राष्ट्रीय पहल
- **तीन प्रमुख स्तंभ:**
- DDT का उपयोग कर अवशिष्ट कीटनाशक छिड़काव (IRS)
- सक्रिय निगरानी और जांच
- रोगियों का समुचित उपचार





- 3. राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन ढाँचा 2016–2030 (NFME):
- WHO की रणनीति पर आधारित
- **लक्ष्य:**
- 2030 तक मलेरिया को पूरी तरह समाप्त करना
- रोकथाम वाले क्षेत्रों में पुनः प्रसार को रोकना





- **4. HBHI (High Burden to High Impact) पहल – 2019:**
- चार राज्यों में लागू: छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल
- LLINs (लंबे समय तक कीटनाशकयुक्त मच्छरदानी) के उपयोग से मलेरिया में कमी आई।
- **5. MERA-India (Malaria Elimination Research Alliance):**
- ICMR द्वारा स्थापित
- शोध एवं रणनीतियों के समन्वय हेतु विभिन्न संस्थानों का सहयोगी नेटवर्क।





- विश्व मलेरिया दिवस - संक्षिप्त नोट्स
- 1. तिथि:
- 25 अप्रैल (प्रत्येक वर्ष)
- 2. उद्देश्य:
- मलेरिया की रोकथाम, नियंत्रण और उन्मूलन के लिए जागरूकता बढ़ाना
- संस्थाओं को मलेरिया के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रेरित करना





- **3. स्थापना:**
- 2007 में WHO द्वारा
- **4. थीम्स:**
- **2024:** Accelerating the fight against malaria for a more equitable world
- **2025:** Reinvest, Reimagine, Reignite  
(नई रणनीति, नवाचार और उत्साह के साथ मलेरिया उन्मूलन)



**World Health  
Organization**





- **5. मलेरिया क्या है?**
- संक्रामक रोग, मादा Anopheles मच्छर के काटने से
- परजीवी: Plasmodium
- **6. प्लाज्मोडियम के प्रकार:**
- 1. P. falciparum (सबसे खतरनाक)
- 2. P. vivax
- 3. P. ovale
- 4. P. malariae
- 5. P. knowlesi (दुर्लभ)





- **7. 2023 आँकड़े (WHO):**
  - 263 मिलियन मामले
  - 5,97,000 मौतें (83 देशों में)
- **वैश्विक प्रयास:**
  - 1. Global Malaria Programme (WHO):
  - रणनीति: 2016–2030





- **लक्ष्य:**
- 2020: 40% कमी
- 2025: 75%
- 2030: 90%
- **2. Malaria Elimination Initiative (Gates Foundation):**
- इलाज, नियंत्रण और नई तकनीकें
- 3. E-2025 पहल (WHO):
- 25 देशों में मलेरिया समाप्ति लक्ष्य



Let's fight the battle against Malaria



- **भारत में प्रयास:**
  - 1. NVBDCP:
  - मलेरिया सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों पर काम
- **2. NMCP (1953):**
  - IRS, निगरानी और उपचार आधारित नियंत्रण





- **3. NFME 2016–2030:**
- 2030 तक मलेरिया उन्मूलन लक्ष्य
- **4. HBHI (2019):**
- उच्च-भार वाले राज्यों (CG, JH, MP, WB) में लागू
- **5. MERA-India (ICMR):**
- अनुसंधान और रणनीतिक सहयोग



**प्रश्न 1: मलेरिया के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. मलेरिया केवल Plasmodium falciparum के कारण होता है।
2. मलेरिया का संक्रमण केवल मादा Anopheles मच्छर के काटने से फैलता है।
3. भारत सरकार ने मलेरिया उन्मूलन के लिए 'राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम' (National Framework for Malaria Elimination) शुरू किया है।

**उपयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

- A) केवल 2                      B) केवल 2 और 3  
C) केवल 1 और 2              D) 1, 2 और 3

उत्तर: B) केवल 2 और 3

**स्पष्टीकरण:**

कथन 1 गलत है क्योंकि मलेरिया Plasmodium vivax, Plasmodium falciparum, Plasmodium malariae, और Plasmodium ovale से भी हो सकता है।

कथन 2 सही है - यह रोग संक्रमित मादा Anopheles मच्छर के काटने से फैलता है।

कथन 3 सही है भारत सरकार ने 2016 में

'National Framework for Malaria Elimination' लॉन्च किया था, जिसका उद्देश्य 2030 तक मलेरिया-मुक्त भारत बनाना है।



**शिमला समझौता 1972**

# शिमला समझौता 1972



## Daily Current News

- **शिमला समझौता (Shimla Agreement) – संक्षिप्त नोट्स**
- **तिथि:** 2 जुलाई, 1972
- **स्थान:** शिमला, हिमाचल प्रदेश, भारत
- **हस्ताक्षरकर्ता:**
- भारत: प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी
- पाकिस्तान: राष्ट्रपति (बाद में प्रधानमंत्री) जुल्फिकार अली भुट्टो





- **4. पृष्ठभूमि:**
- 1971 का भारत-पाक युद्ध (बांग्लादेश की स्वतंत्रता)
- युद्ध में पाकिस्तान की हार और लगभग 93,000 पाकिस्तानी सैनिक भारत के क जे में
- **5. उद्देश्य:**
- भारत और पाकिस्तान के बीच शांतिपूर्ण संबंधों की बहाली
- भविष्य में युद्ध और संघर्ष से बचना
- सभी विवादों को द्विपक्षीय वार्ता द्वारा हल करना





- **6. मुख्य बिंदु (मुख्य प्रावधान):**
- 1. द्विपक्षीय वार्ता:
- भारत और पाकिस्तान अपने सभी विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से द्विपक्षीय बातचीत द्वारा सुलझाएंगे।
- **2. सीमा का सम्मान:**
- एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करेंगे।





- **3. वापसी:**
- युद्धबंदियों और क जे में लिए गए क्षेत्रों की वापसी का प्रावधान।
- **4. लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC):**
- जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा को स्वीकार किया गया, जिसे कोई भी पक्ष बलपूर्वक नहीं बदलेगा।





- **7. महत्व:**
- यह समझौता भारत-पाक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ था।
- इसने अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की जगह द्विपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दी।
- नियंत्रण रेखा (LoC) की नींव पड़ी।





- **बाघा बॉर्डर (Wagah Border) –संक्षिप्त नोट्स**
- **1. परिचय:**
- बाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच एक प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय सीमा चौकी है।
- यह पंजाब राज्य के अमृतसर जिले (भारत) और लाहौर (पाकिस्तान) के बीच स्थित है।
- यह अटारी (भारत) और वाघा (पाकिस्तान) के बीच है, इसीलिए इसे अटारी-वाघा सीमा भी कहते हैं।





- **2. इतिहास:**
- 1947 के भारत-पाक विभाजन के समय यह सीमा रेखा निर्धारित की गई।
- यह ग्रैंड ट्रंक रोड (GT रोड) का हिस्सा है, जो ऐतिहासिक रूप से भारत को अफगानिस्तान से जोड़ता था।
- बाघा गाँव, पाकिस्तान की तरफ है; जबकि अटारी गाँव, भारत की तरफ है।





- **3. रिट्रीट सेरेमनी (Beating Retreat Ceremony):**
- प्रतिदिन सूर्यास्त के समय दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बल (BSF - भारत, और पाक रेंजर्स) द्वारा झंडा उतारने की संयुक्त परेड होती है।
- यह परेड प्रदर्शनात्मक शैली में होती है, जिसमें सैनिक तेज चाल, दमदार स्टैम्पिंग और नारेबाज़ी करते हैं।
- यह परंपरा 1959 में शुरू हुई थी।



- **4. महत्व:**
- राष्ट्रीय गर्व और सैन्य परंपरा का प्रतीक
- पर्यटन केंद्र: प्रतिदिन हजारों लोग इसे देखने आते हैं।
- भारत-पाक संबंधों में कूटनीतिक संकेत का स्थान
- **5. सुरक्षा और संचालन:**
- भारत की तरफ से BSF (Border Security Force) और पाकिस्तान की तरफ से Pak Rangers इस सीमा की निगरानी करते हैं।



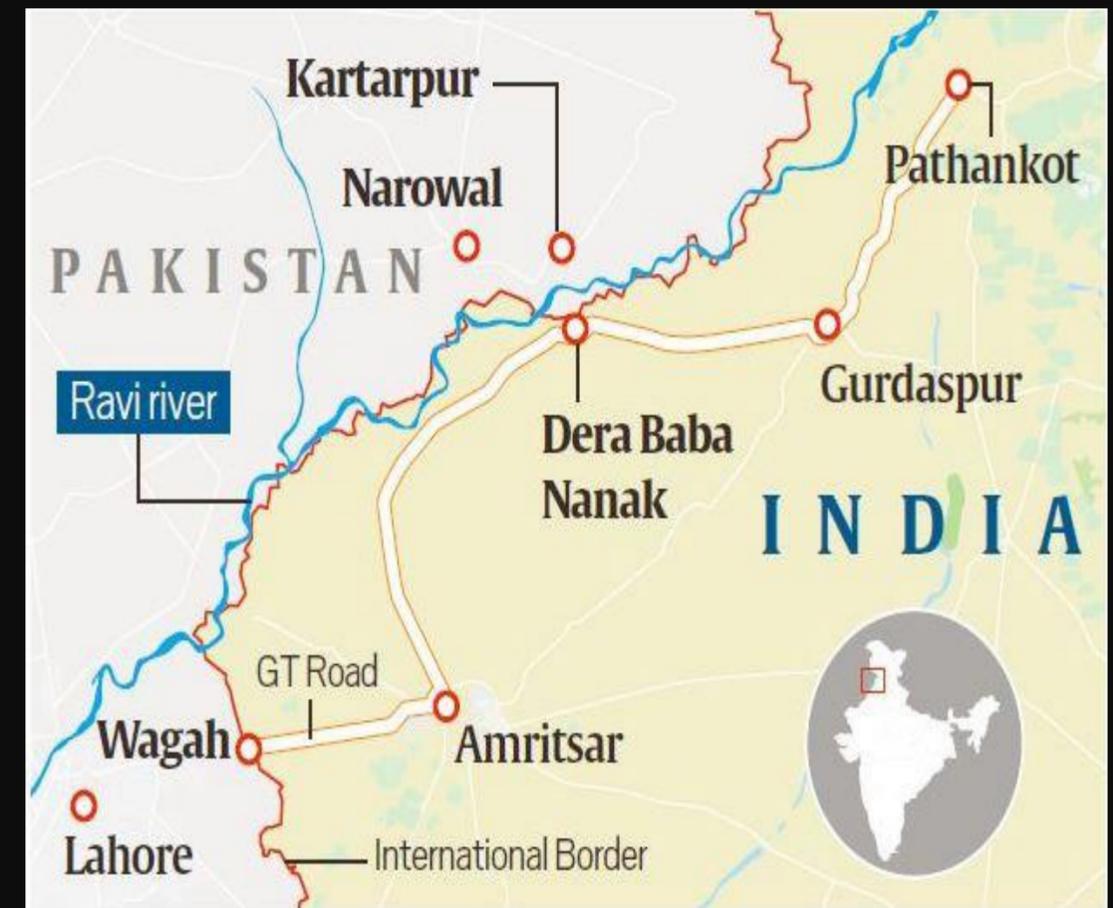


- **करतारपुर कॉरिडोर – संक्षिप्त नोट्स**
- **1. क्या है करतारपुर कॉरिडोर?**
- यह एक सीमा पार कॉरिडोर (Border Corridor) है जो भारत के डेरा बाबा नानक (गुरदासपुर, पंजाब) को पाकिस्तान के करतारपुर (नारोवाल, पंजाब) में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब से जोड़ता है।
- श्रद्धालु बिना वीजा के इस गलियारे से पाकिस्तान में प्रवेश कर सकते हैं।
- लंबाई: लगभग 4.7 किलोमीटर





- **2. ऐतिहासिक महत्व:**
- गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन के अंतिम 18 वर्ष करतारपुर में बिताए थे।
- यहीं उनका देहांत हुआ और गुरुद्वारा दरबार साहिब की स्थापना की गई।





- **3. उद्घाटन:**
- भारत में उद्घाटन: 8 नवंबर 2019 – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
- पाकिस्तान में उद्घाटन: 9 नवंबर 2019 – प्रधानमंत्री इमरान खान
- गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती के उपलक्ष्य में खोला गया।





- **4. व्यवस्थाएं:**
- भारत द्वारा निर्माण:
- करतारपुर कॉरिडोर टर्मिनल (इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट – ICP)
- राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा निर्माण
- **पास जारी करने वाला निकाय:**
- भारत सरकार का गृह मंत्रालय, ऑनलाइन आवेदन प्रणाली के तहत पास जारी करता है।





- **5. विशेषताएं:**
- वीजा नहीं चाहिए, केवल यात्रा परमिट
- रोजाना सीमित संख्या में श्रद्धालुओं को अनुमति
- पासपोर्ट अनिवार्य, लेकिन वीजा नहीं
- यात्रा सुबह जाकर शाम को लौटने तक सीमित





- **6. महत्व:**
- धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व:
- सिख समुदाय के लिए अत्यंत पवित्र स्थल तक सीधा और सुविधाजनक पहुंच
- **राजनयिक महत्व (Diplomatic Significance):**
- भारत-पाक संबंधों में सॉफ्ट डिप्लोमेसी (Soft Diplomacy) का उदाहरण
- पीपल-टु-पीपल कनेक्ट बढ़ाने का प्रयास, भले ही राजनीतिक संबंध तनावपूर्ण हों



**प्रश्न: शिमला समझौते (1972) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. यह समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 के युद्ध के बाद हुआ था।
2. समझौते में यह तय किया गया था कि दोनों देश अपने द्विपक्षीय मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से और द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से सुलझाएंगे।
3. इस समझौते में नियंत्रण रेखा (Line of Control) को अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मान्यता दी गई थी।

**उपयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

- A) केवल 1 और 2                      B) केवल 2 और 3  
C) केवल 1 और 3                      D) 1, 2 और 3

उत्तर: A) केवल 1 और 2

### स्पष्टीकरण:

कथन 1 सही है: शिमला समझौता 2 जुलाई 1972 को भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच 1971 के युद्ध के बाद हुआ था, जिसमें पाकिस्तान ने हार मान ली थी और बांग्लादेश बना था।  
कथन 2 सही है: समझौते में यह प्रावधान था कि भारत और पाकिस्तान अपने सभी विवादों को द्विपक्षीय वार्ता से सुलझाएंगे और बल प्रयोग से बचेंगे।  
कथन 3 गलत है: शिमला समझौते में नियंत्रण रेखा (LOC) की पुष्टि की गई थी लेकिन इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मान्यता नहीं दी गई थी। यह केवल युद्धविराम की रेखा थी, जिसे दोनों पक्षों ने स्वीकार किया था।



**WORLD  
IMMUNIZATION  
DAY**  
*OF CELEBRATION DAY*

**विश्व टीकाकरण सप्ताह**



- टीकाकरण: एक वरदान जो अब खतरे में है
- विश्व टीकाकरण सप्ताह (World Immunization Week) –
- परिचय:
- विश्व टीकाकरण सप्ताह हर साल 24 से 30 अप्रैल के बीच मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को टीकों के महत्व के बारे में जागरूक करना और यह सुनिश्चित करना है कि सभी को समय पर और आवश्यक टीके मिलें।





- **थीम 2024:**
- "Humanly Possible: Immunization for All"
- (ह्यूमनली पॉसिबल: सभी के लिए टीकाकरण)
- **मुख्य बिंदु:**
- **1. आयोजनकर्ता संगठन:**
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)
- यूनिसेफ
- GAVI (वैक्सीन अलायंस)
- अन्य वैश्विक स्वास्थ्य साझेदार



**World Health  
Organization**



- **2. महत्व:**
- हर साल टीकों की मदद से 14 से अधिक बीमारियों से लगभग 42 लाख लोगों की जान बचाई जाती है।
- टीके बचपन, किशोरावस्था और वयस्कता में गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।
- **4. वर्तमान स्थिति (2024):**
- खसरा के मामलों में 2023 में 20% की वृद्धि हुई।
- मेनिनजाइटिस और पीले बुखार जैसे रोग फिर से उभर रहे हैं।
- लगभग 1.45 करोड़ बच्चों को एक भी नियमित टीका नहीं मिल सका।





- **5. प्रगति के संकेत:**
- मेनिनजाइटिस A का कुछ क्षेत्रों से सफाया
- मलेरिया और HPV जैसी बीमारियों के लिए नए टीकों का विस्तार
- HPV वैक्सीन की कवरेज 21% से बढ़कर 40% (2020-2023)





- टीके (वैक्सीन) किसी वरदान से कम नहीं हैं।
- पिछले 50 सालों में इनकी मदद से दुनिया भर में 15 करोड़ से ज्यादा जिंदगियां बचाई गई हैं।
- लेकिन अब यह सफलता खतरे में है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने चेतावनी दी है कि टीकाकरण के लिए मिलने वाली वैश्विक फंडिंग में कमी आने लगी है।





- इससे कई ऐसी बीमारियां फिर से लौट रही हैं, जिन्हें पहले लगभग खत्म कर दिया गया था।
- विश्व टीकाकरण सप्ताह (24-30 अप्रैल) के मौके पर WHO, यूनिसेफ और वैक्सीन अलायंस गावी ने बताया कि टीकों को लेकर फैली गलत जानकारियाँ, बढ़ती आबादी, युद्ध-संकट और फंडिंग में कटौती की वजह से टीकाकरण अभियान धीमा हो गया है।

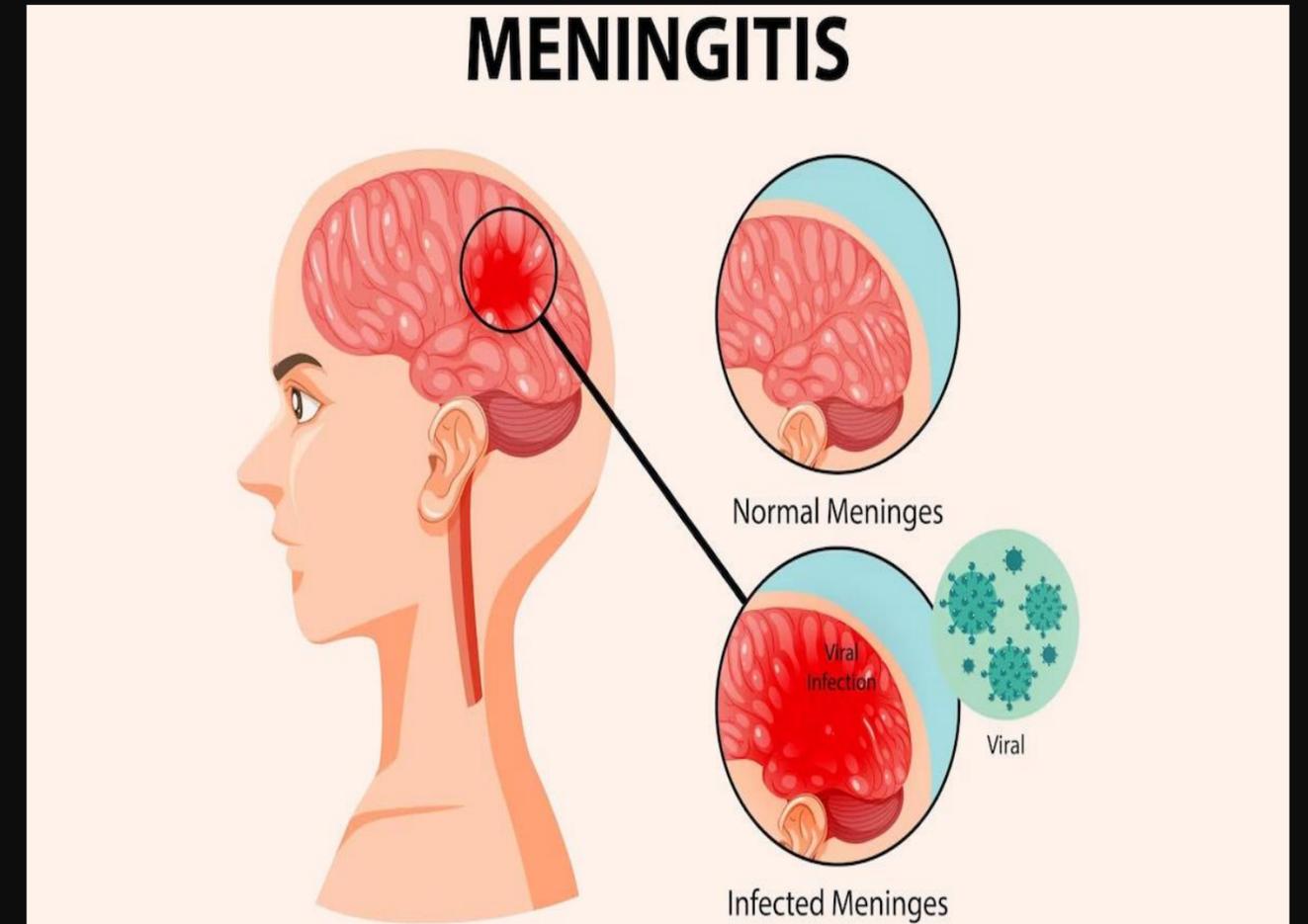




- इसका सीधा असर बच्चों, किशोरों और वयस्कों पर पड़ रहा है, जिनमें संक्रमण का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।
- **फिर लौट रही हैं खतरनाक बीमारियाँ**
- खसरा, मेनिंगजाइटिस और पीले बुखार जैसे रोग अब फिर से तेजी से फैल रहे हैं। ये वे बीमारियाँ हैं जिन्हें रोका जा सकता है, बस समय पर टीके लगवाने की जरूरत है।



- **खसरा:** 2023 में इसके एक करोड़ से ज्यादा मामले सामने आए, जो 2022 के मुकाबले 20% ज्यादा हैं।
- **मेनिनजाइटिस:** अफ्रीकी देशों में इस बीमारी के 2024 के शुरुआती तीन महीनों में 5,500 से ज्यादा मामले और 300 मौतें दर्ज हुईं।





- **पीला बुखार:** अफ्रीका और अमेरिका में इसके मामले बढ़ने लगे हैं।
- इन बीमारियों से निपटने के लिए बनी रणनीतियों को बड़ा झटका लगा है।





- **स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ा असर**
- फंडिंग की कमी का असर सीधे उन देशों पर पड़ा है जहां पहले से ही स्वास्थ्य सेवाएं कमजोर थीं।
- WHO की रिपोर्ट बताती है कि 108 देशों में टीकाकरण अभियान और दवाओं की आपूर्ति प्रभावित हुई है।
- टीकों से रोकी जा सकने वाली बीमारियों की निगरानी भी कमजोर हो गई है।



**World Health  
Organization**





- **छूट रहे हैं बच्चे**
- कोरोना महामारी के बाद से कई बच्चे नियमित टीके नहीं लगवा पाए हैं।
- 2023 में करीब 1.45 करोड़ बच्चे ऐसे थे जिन्हें एक भी नियमित टीका नहीं मिला।
- इनमें से आधे से ज्यादा बच्चे ऐसे देशों में रहते हैं जहां हिंसा और संघर्ष ने स्वास्थ्य व्यवस्था को कमजोर कर दिया है।





- यूनिसेफ प्रमुख कैथरीन रसेल ने चिंता जताई है कि हम आज भी करोड़ों बच्चों तक खसरे का टीका नहीं पहुंचा पा रहे हैं, जैसी स्थिति कोरोना काल में बनी थी।
- **कुछ उम्मीदें भी हैं**
- मुश्किलों के बावजूद कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जहां टीकाकरण के अच्छे नतीजे देखने को मिल रहे हैं:
- अफ्रीका में मेनिनजाइटिस ए का लगभग सफाया हो चुका है। एक नई वैक्सीन इसके पांच प्रकारों से सुरक्षा देती है।





- एचपीवी वैक्सीन की कवरेज 2020 में 21% से बढ़कर 2023 में 40% हो गई है, जिससे सर्वाङ्कल कैंसर के खिलाफ लड़ाई को ताकत मिली है।
- पीले बुखार के मामले और मौतें टीकाकरण की मदद से पहले काफी कम हो चुके थे।





- मलेरिया वैक्सीन अब 20 अफ्रीकी देशों में शुरू हो गई है, जिससे 2035 तक 5 लाख जानें बचाई जा सकती हैं।
- हर साल टीके लगभग 14 बीमारियों से 42 लाख जानें बचाते हैं, जिनमें से आधी से ज्यादा अफ्रीका में होती हैं।



- **सरकारों से अपील**
- स्वास्थ्य एजेंसियों ने दुनियाभर की सरकारों से अपील की है कि वे टीकाकरण कार्यक्रमों में लगातार निवेश करें।
- यदि अभी ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो बीते 50 वर्षों की मेहनत और बच्चों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।





- **विश्व टीकाकरण सप्ताह (World Immunization Week) –**
- **परिचय:** विश्व टीकाकरण सप्ताह हर साल 24 से 30 अप्रैल के बीच मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य लोगों को टीकों के महत्व के बारे में जागरूक करना और यह सुनिश्चित करना है कि सभी को समय पर और आवश्यक टीके मिलें।





- **थीम 2024:**
- "Humanly Possible: Immunization for All"
- (हूमनली पॉसिबल: सभी के लिए टीकाकरण)
- **मुख्य बिंदु**
- 1. आयोजनकर्ता संगठन:
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)
- यूनिसेफ
- GAVI (वैक्सीन अलायंस)
- अन्य वैश्विक स्वास्थ्य साझेदार



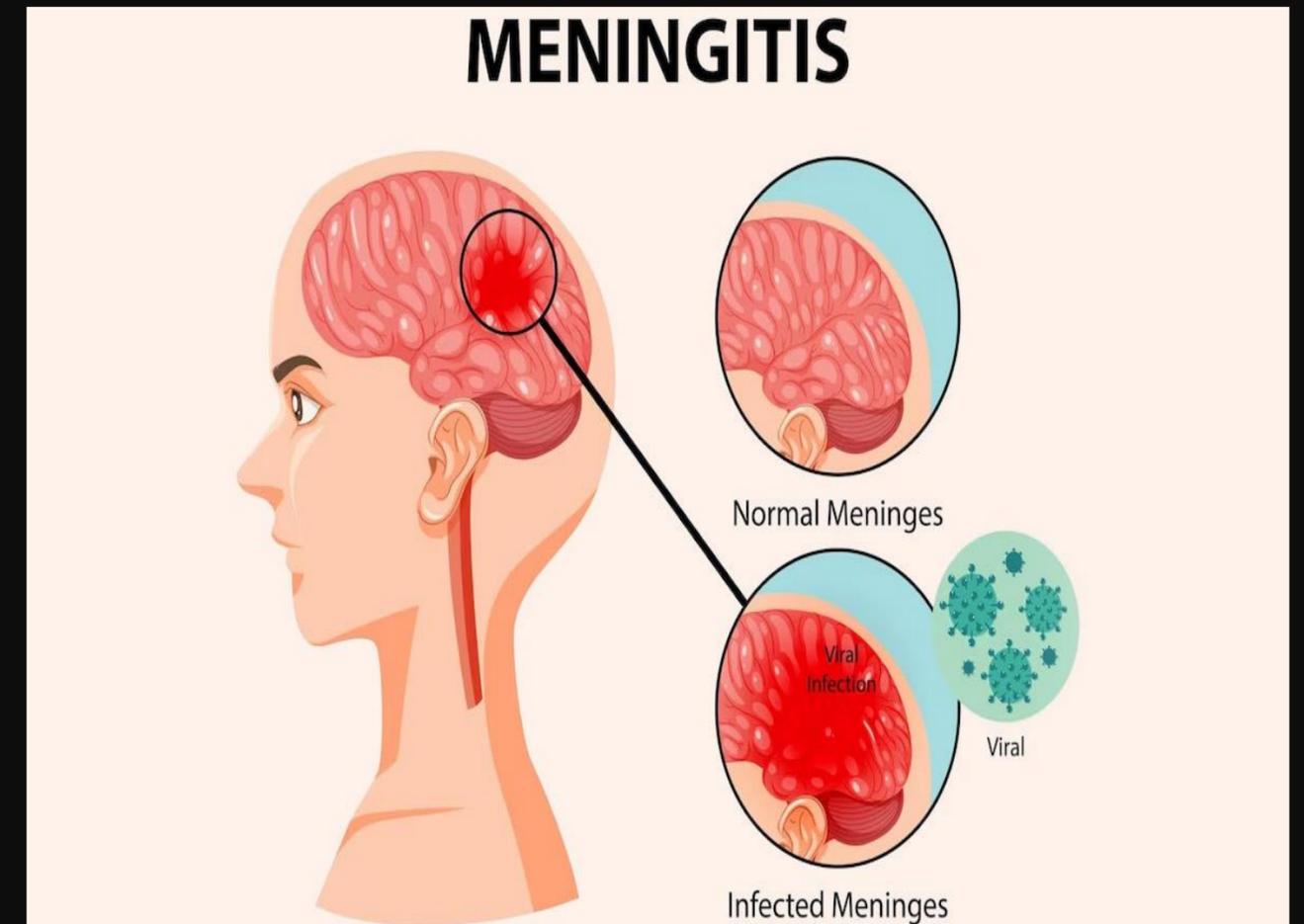
**World Health  
Organization**



- **2. महत्व:**
- हर साल टीकों की मदद से 14 से अधिक बीमारियों से लगभग 42 लाख लोगों की जान बचाई जाती है।
- टीके बचपन, किशोरावस्था और वयस्कता में गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।
- **4. वर्तमान स्थिति (2024):**
- खसरा के मामलों में 2023 में 20% की वृद्धि हुई।
- मेनिनजाइटिस और पीले बुखार जैसे रोग फिर से उभर रहे हैं।
- लगभग 1.45 करोड़ बच्चों को एक भी नियमित टीका नहीं मिल सका।



- **5. प्रगति के संकेत:**
- मेनिनजाइटिस A का कुछ क्षेत्रों से सफाया
- मलेरिया और HPV जैसी बीमारियों के लिए नए टीकों का विस्तार
- HPV वैक्सीन की कवरेज 21% से बढ़कर 40% (2020-2023)





- **चुनौतियाँ:**
- वैश्विक फंडिंग में कमी
- टीकों को लेकर गलत सूचनाएं और अफवाहें
- मानवीय संकट और युद्ध
- कमजोर स्वास्थ्य प्रणालियाँ
- महामारी के बाद नियमित टीकाकरण में कमी





- **भारत में प्रयास:**
- **मिशन इन्द्रधनुष:** 2014 में शुरू हुआ, उद्देश्य सभी बच्चों और गर्भवती महिलाओं को आवश्यक टीके देना।
- **UIP (Universal Immunization Programme):** भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, जिसमें 12 बीमारियों के खिलाफ टीके शामिल हैं।





- यह रहा "मिशन इंद्रधनुष" का विस्तृत और उपयोगी हिंदी में नोट्स:
- मिशन इंद्रधनुष (Mission Indradhanush)
- परिचय:
- मिशन इंद्रधनुष भारत सरकार की एक प्रमुख स्वास्थ्य योजना है, जिसे 25 दिसंबर 2014 को शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण के माध्यम से जानलेवा बीमारियों से बचाना है।





- **उद्देश्य (Objectives):**
- 1. 2 वर्ष की आयु तक के सभी बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पूर्ण टीकाकरण कवरेज प्रदान करना।
- 2. उन बच्चों को टीके देना जो किसी कारणवश नियमित टीकाकरण से वंचित रह गए हैं।
- 3. 12 जानलेवा बीमारियों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करना।





- कवरेज में शामिल बीमारियाँ:
- शुरुआत में 7 बीमारियाँ शामिल थीं, बाद में इसे बढ़ाकर 12 किया गया:
- 1. डिप्थीरिया
- 2. काली खाँसी
- 3. टिटनेस
- 4. पोलियो
- 5. क्षय रोग (टी.बी.)
- 6. खसरा
- 7. हेपेटाइटिस बी
- 8. हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (Hib)
- 9. जापानी इंसेफलाइटिस
- 10. रोटोवायरस
- 11. न्यूमोकोकल न्यूमोनिया
- 12. रूबेला



- प्रमुख चरण:
- 1. मिशन इंद्रधनुष (2014):
- टीकाकरण दर में तेजी लाने के लिए अभियान प्रारंभ।
- 2. इंटीसिफाइड मिशन इंद्रधनुष (IMI) – 2017:
- जिन क्षेत्रों में टीकाकरण दर कम थी, वहां केंद्रित प्रयास।





- **3. IMI 2.0 – 2019:**
  - स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना और अंतिम छोर तक पहुंच बनाना।
- **4. IMI 3.0 – 2021:**
  - कोविड-19 के दौरान छूटे बच्चों को टीकाकरण से जोड़ना।
- **5. IMI 5.0 – 2023:**
  - डिजिटल प्लेटफॉर्म U-WIN के ज़रिए रजिस्ट्रेशन और ट्रैकिंग।





- **उपलब्धियाँ:**
- 2015-2020 के बीच टीकाकरण कवरेज में लगभग 6-10% की वार्षिक वृद्धि।
- मिशन इंद्रधनुष की मदद से कई जिलों में 90% से अधिक बच्चों को टीकाकरण मिल पाया।
- टीकाकरण कवरेज में असमानता को कम करने में मदद मिली।



- चुनौतियाँ:
- दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंचना।
- सामाजिक और धार्मिक भ्रंशियाँ।
- कोविड-19 के दौरान टीकाकरण में गिरावट।





- **सरकारी प्रयास:**
- ASHA और ANM जैसी फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को अभियान में शामिल किया गया।
- स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा IEC (Information, Education, Communication) रणनीति को अपनाया गया।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे CoWIN और अब U-WIN का उपयोग।



**प्रश्न 1: मिशन इन्द्रधनुष के संदर्भ में निम्नलिखित में कौन-से कथन सत्य हैं?**

1. इसका उद्देश्य बच्चों और गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन-रोकथाम योग्य रोगों के विरुद्ध पूरी तरह से टीकाकरण प्रदान करना है।
2. यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित है।
3. इसे 2014 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।

**सही विकल्प चुनिए:**

- |           |              |
|-----------|--------------|
| A) 1 और 3 | B) 2 और 3    |
| C) 1 और 2 | D) 1, 2 और 3 |

उत्तर: A) 1 और 3

**स्पष्टीकरण:**

कथन 1 और 3 दोनों सही हैं।

कथन 2 गलत है क्योंकि यह योजना शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में लागू की गई थी।



सीताकली लोक कला

## सीताकली लोक कला



## Daily Current News

- **परिचय:**
- सीताकली भारत की एक पारंपरिक लोक कला है, जो मुख्यतः उत्तर प्रदेश के मऊ ज़िले में पाई जाती है।
- यह कला मिट्टी से बनाई गई सुंदर और रंगीन मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है, जिनमें धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक भावनाओं की झलक मिलती है।
- विशेषता यह है कि इसे केवल महिलाएं बनाती हैं।



- **मुख्य विशेषताएं:**
- **1. सामग्री:** सीताकली में उपयोग की जाने वाली मुख्य सामग्री है साफ सुथरी, महीन गीली मिट्टी (काली मिट्टी)।
- इस मिट्टी को 'सीताकली' कहा जाता है – यही इस लोक कला का नाम भी है।
- **2. रूप व आकृति:** मूर्तियाँ हाथों से आकार दी जाती हैं, बिना किसी साँचे के।
- मूर्तियाँ धार्मिक कथाओं से प्रेरित होती हैं – जैसे रामायण, महाभारत, देवी-देवता, और लोक देवियाँ।



- **3. रंग और सजावट:** मूर्तियों को प्राकृतिक रंगों से सजाया जाता है।
- स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रंगों का ही प्रयोग होता है।
- **4. नारी सशक्तिकरण:** यह कला पारंपरिक रूप से महिलाओं द्वारा ही की जाती है, जिससे यह महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी बन गई है।
- इससे महिलाओं को आजीविका का साधन भी प्राप्त होता है।



- **5. प्रदर्शन का अवसर:** यह कला त्योहारों, मेलों और धार्मिक आयोजनों के समय अधिक सक्रिय रूप में दिखाई देती है।
- स्थानीय ग्रामीण मेले इसका प्रमुख मंच होते हैं।
- **वर्तमान स्थिति और संरक्षण:**
- यह कला अब लुप्त होने के कगार पर है।
- आधुनिकता, प्लास्टिक की मूर्तियाँ, और हस्तकला की उपेक्षा इसके प्रमुख कारण हैं।
- कई स्वयंसेवी संस्थाएँ और राज्य सरकारें इसे पुनर्जीवित करने के प्रयास कर रही हैं।



## प्रश्न 2: सीता काली लोक कला के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सीता काली कला पारंपरिक रूप से कागज, लकड़ी और कपड़े पर चित्रित की जाती है।
2. इस कला के चित्रों में प्रमुख रूप से धार्मिक पात्रों और समाज के नायक-नायिकाओं की छवियाँ होती हैं।
3. सीता काली चित्रकला में देवी सीता और देवी काली का समन्वय दिखाया जाता है, जो समाज में दोनों के समान सम्मान को दर्शाता है।

### सही विकल्प चुनिए:

- |                |                |
|----------------|----------------|
| A) केवल 1 और 2 | B) केवल 2 और 3 |
| C) केवल 1 और 3 | D) 1, 2 और 3   |

उत्तर: D) 1, 2 और 3

**स्पष्टीकरण:**

कथन 1 सही है: सीता काली लोक कला पारंपरिक रूप से कागज, लकड़ी और कपड़े पर चित्रित की जाती है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में यह कला काफी प्रचलित है।

कथन 2 सही है: इस कला में प्रमुख रूप से धार्मिक पात्रों जैसे देवी-देवता, नायक और नायिकाओं की चित्रण होती है।

कथन 3 सही है: इस चित्रकला में देवी सीता और काली का समन्वय दर्शाया जाता है, जो समाज में उनके समान सम्मान और शक्ति को प्रदर्शित करता है।



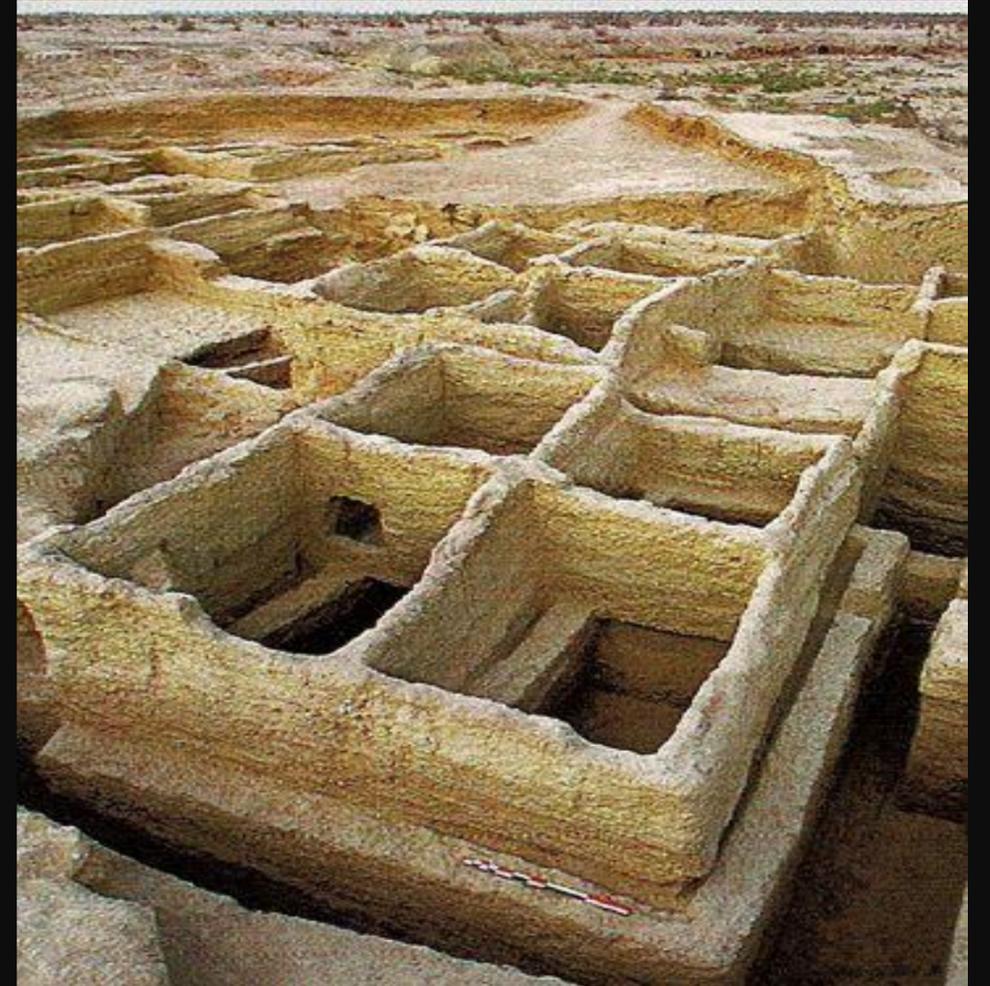
मेहरगढ़

# मेहरगढ़



## Daily Current News

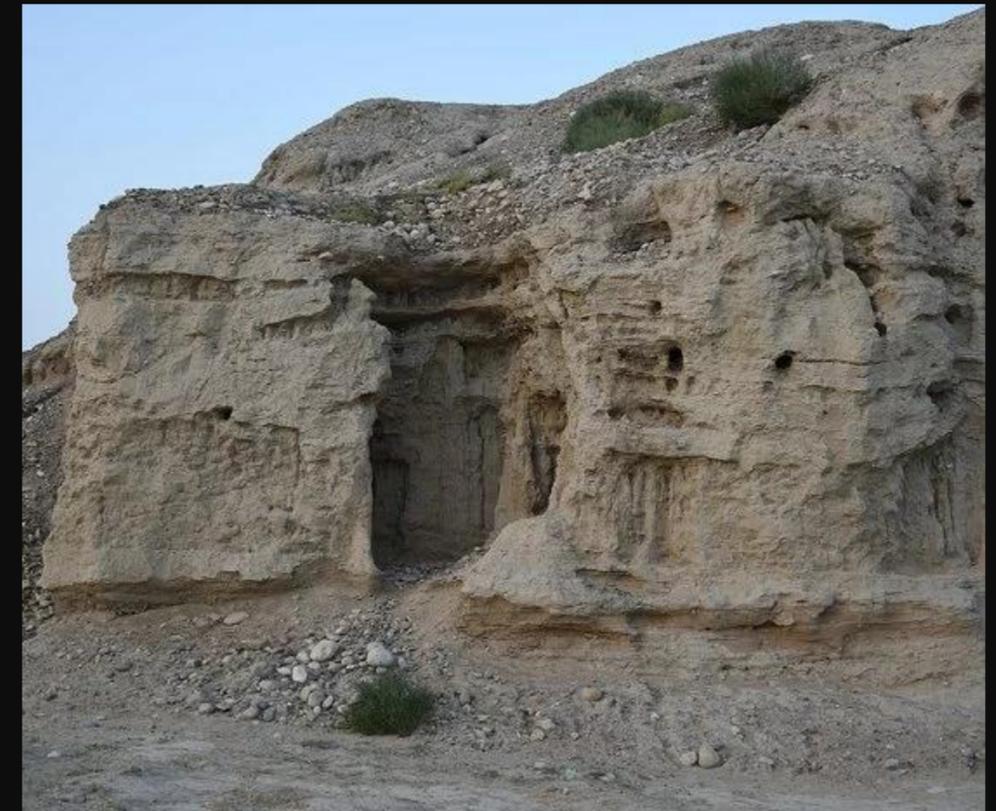
- भारतीय उपमहाद्वीप की आदिकालीन सभ्यता का नगर
- स्थान और कालखंड
- मेहरगढ़ एक नवपाषाण कालीन (Neolithic) पुरातात्विक स्थल है, जो वर्तमान पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बोलन दर्रे के निकट स्थित है।
- यह स्थल इंडस घाटी (हड़प्पा) सभ्यता से पहले की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कृषि-बस्ती रहा है।



- नई रेडियोकार्बन स्टडी के अनुसार, मेहरगढ़ की बसावट का आरंभ अब लगभग 5200 ईसा पूर्व माना जा रहा है (पहले यह 8000 ईसा पूर्व मानी जाती थी)।
- इस संशोधित तिथि के निर्धारण में एक्सेलेरेटर मास स्पेक्ट्रोमेट्री (AMS) डेटिंग तकनीक का प्रयोग किया गया है।



- **इतिहास और समयावधि**
- मेहरगढ़ में लगभग 3000 वर्षों तक निरंतर मानव बसावट के प्रमाण मिले हैं, जो इस स्थल की ऐतिहासिक महत्ता को दर्शाते हैं।
- यह स्थल नवपाषाण युग से ताम्रपाषाण युग (Chalcolithic Age) तक का विकास क्रम दर्शाता है।



- **मुख्य विशेषताएँ और पुरातात्विक साक्ष्य**
- 1. प्रारंभिक कृषि और पशुपालन:
- यहाँ से गेहूँ और जौ की खेती तथा गाय, भेड़, बकरी और जेबू (कूबड़ वाला बैल) के पालन के प्रमाण मिले हैं।
- यह भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि और पशुपालन के सबसे प्रारंभिक साक्ष्य हैं।



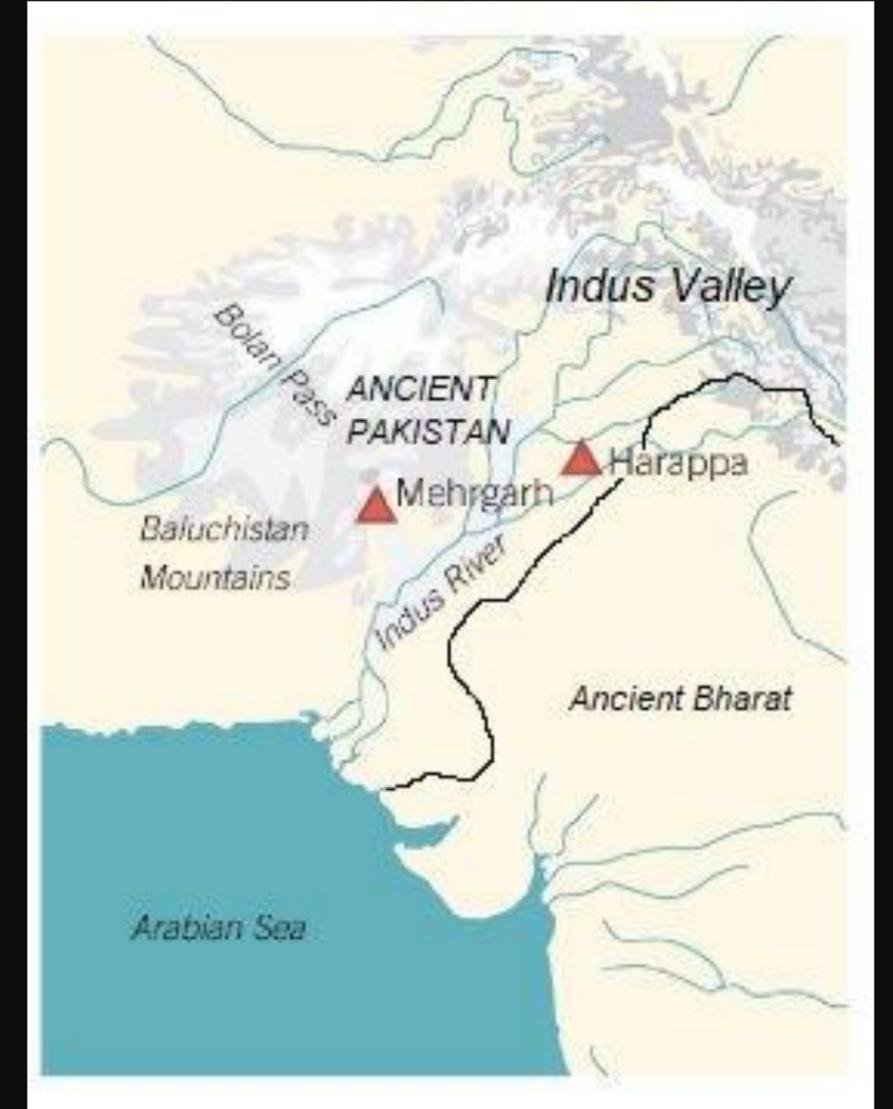
- **2. कपास के सबसे पुराने प्रमाण:**
- मेहरगढ़ से विश्व के सबसे प्राचीनतम कपास उपयोग के साक्ष्य मिले हैं, जो वस्त्र निर्माण के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।
- **3. निर्माण शैली और जीवन शैली:**
- मिट्टी की ईंटों से बनी घरेलू संरचनाएँ (घर), शवाधान गृह (Burial Chambers) और भंडारण कक्ष पाए गए हैं।
- मृदभांड (Pottery): यहाँ से विशेष प्रकार के सजावटी मृदभांड मिले हैं, जिन्हें "तोगाऊ मृदभांड" (Togau Pottery) कहा जाता है।



- **4. मानव अवशेष और औजार:**
- इस स्थल पर खुदाई से मानव कंकाल, हड्डियों के औजार, पत्थर के उपकरण और आभूषण प्राप्त हुए हैं।
- शवों को कब्रों में दफनाया गया था, साथ में वस्तुएँ भी रखी जाती थीं – जो धार्मिक विश्वासों को दर्शाती हैं।



- **महत्व**
- मेहरगढ़ को भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि, कुम्हारी कला और सामाजिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।
- यह स्थल हड़प्पा सभ्यता के सांस्कृतिक पूर्वज (Cultural Precursor) के रूप में देखा जाता है।
- एक्सेलेरेटर मास स्पेक्ट्रोमेट्री (AMS) डेटिंग एक उन्नत रेडियोकार्बन डेटिंग तकनीक है, जिसका उपयोग पुरातात्विक अवशेषों और जैविक नमूनों की उम्र का अत्यंत सटीक अनुमान लगाने के लिए किया जाता है।

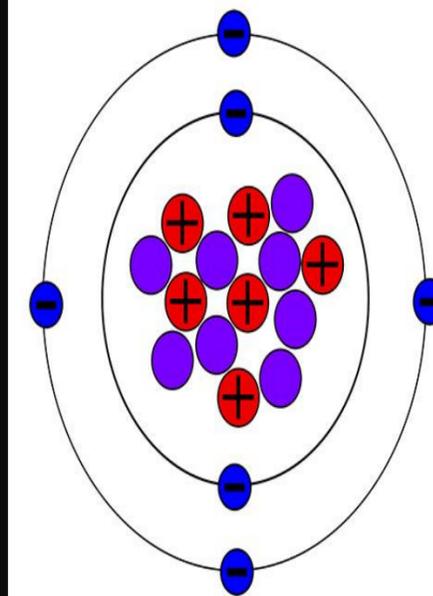


- **AMS डेटिंग: क्या है यह तकनीक?**
- **परिभाषा:**
- AMS (Accelerator Mass Spectrometry) एक ऐसी विधि है जो रेडियोसक्रिय कार्बन-14 (C-14) आइसोटोप की अत्यल्प मात्रा का भी पता लगाने और उसकी गिनती करने में सक्षम है, जिससे किसी जैविक वस्तु की उम्र का बहुत ही कम नमूने से सटीक निर्धारण संभव होता है।



- कार्यप्रणाली: कैसे काम करती है AMS डेटिंग?
- 1. नमूने की तैयारी:
- हड्डी, लकड़ी, बीज, कपड़ा या अन्य जैविक वस्तु से कार्बन निकाला जाता है।
- 2. आइसोटोप का पृथक्करण:
- Accelerator Mass Spectrometer मशीन में नमूने को डाला जाता है, जहाँ C-12, C-13 और C-14 आइसोटोप अलग किए जाते हैं।

## What is CARBON 14?



Carbon-14 (C-14) is a radioactive isotope of carbon, containing six protons and eight neutrons.

Formed naturally in the Earth's atmosphere through interactions with cosmic rays, **carbon-14** is incorporated into carbon dioxide and subsequently enters the carbon cycle.

The isotope undergoes radioactive decay over time, with a half-life of approximately 5,730 years. Carbon-14 dating is a widely used method in archaeology and geology, allowing the estimation of the age of organic materials by measuring the remaining C-14 in a sample, providing insights into past events and timelines.



- **3. C-14 की गणना:**
- AMS मशीन सीधे C-14 के परमाणुओं की गिनती करती है (जबकि पारंपरिक विधियाँ C-14 के क्षय की दर को मापती हैं)।
- **4. डेटा विश्लेषण:**
- C-14 की मात्रा के आधार पर नमूने की अनुमानित उम्र बताई जाती है (अधिक C-14 = नया, कम C-14 = पुराना)।



- AMS की विशेषताएँ:

विशेषता	विवरण
अत्यधिक संवेदनशीलता	बहुत ही छोटे नमूनों (मिलीग्राम स्तर) पर भी कार्य कर सकती है
सटीकता	पारंपरिक डेटिंग की तुलना में कहीं अधिक सटीक
तेज परिणाम	परिणाम अपेक्षाकृत जल्दी मिल जाते हैं
कम प्रदूषण प्रभाव	आधुनिक संदूषण से कम प्रभावित होती है



- **AMS डेटिंग का उपयोग कहाँ होता है?**
- पुरातत्व (Archaeology): प्राचीन मानव अवशेषों, मिट्टी के पात्रों, स्थलों की तिथि निर्धारित करने में।
- पैलियोन्टोलॉजी: विलुप्त जीवों की हड्डियों के अध्ययन में।
- भूविज्ञान (Geology): पुराने भूस्तरीय परिवर्तनों का विश्लेषण करने में।
- जलवायु अध्ययन: प्राचीन वनस्पति, जीवाश्म, बर्फ की परतों के विश्लेषण में।



# मेहरगढ़



## Daily Current News

- **मेहरगढ़ में उपयोग**
- मेहरगढ़ की नई तिथि (5200 ईसा पूर्व) AMS डेटिंग द्वारा निर्धारित की गई है, जिससे पहले मानी गई 8000 ईसा पूर्व की तिथि की समीक्षा हुई है।
- यह तकनीक यहाँ से मिले बीज, लकड़ी या हड्डियों के नमूनों पर लागू की गई थी।

# मेहरगढ़



## Daily Current News

- मेहरगढ़ और AMS डेटिंग से संक्षिप्त (शॉर्ट नोट्स)
- मेहरगढ़: भारतीय उपमहाद्वीप की आदिकालीन सभ्यता का नगर
- स्थान:
- बलूचिस्तान (पाकिस्तान), बोलन दर्रे के निकट
- नवपाषाण कालीन स्थल

# मेहरगढ़



## Daily Current News

- **कालखंड:**
- नई AMS डेटिंग के अनुसार: 5200 ईसा पूर्व से
- पहले माना जाता था: 8000 ईसा पूर्व
  
- **महत्व:**
- हड़प्पा सभ्यता से पूर्व की प्रमुख कृषि-बस्ती
- लगभग 3000 वर्षों तक निरंतर मानव बसावट

# मेहरगढ़



## Daily Current News

- **मुख्य विशेषताएँ:**
- **1. कृषि और पशुपालन:**
- गेहूं, जौ की खेती
- गाय, भेड़, बकरी, जेबू के पालन के प्रमाण
  
- **2. कपास के साक्ष्य:**
- विश्व का सबसे प्राचीनतम कपास उपयोग

## मेहरगढ़



## Daily Current News

- **3. निर्माण शैली:**
  - मिट्टी की ईंटों के घर
  - शवाधान गृह, भंडारण कक्ष
  - तोगाऊ शैली के मृदभांड
- **4. अन्य साक्ष्य:**
  - मानव कंकाल, औजार, आभूषण
  - कब्रों में वस्तुओं के साथ दफन – धार्मिक विश्वास
- **महत्वपूर्ण तथ्य:**
  - कृषि, कुम्हारी कला, सामाजिक संरचना का प्रारंभिक रूप
  - हड़प्पा सभ्यता का सांस्कृतिक पूर्वज



- **AMS डेटिंग (Accelerator Mass Spectrometry)**
- उद्देश्य:
- जैविक नमूनों की उम्र का अत्यंत सटीक निर्धारण
  
- **तकनीक:**
- C-14 परमाणुओं की प्रत्यक्ष गिनती
- बहुत कम मात्रा में भी सटीक परिणाम

# मेहरगढ़



## Daily Current News

### ■ प्रक्रिया:

- 1. नमूने की तैयारी (हड्डी, बीज, लकड़ी आदि)
- 2. आइसोटोप का पृथक्करण
- 3. C-14 की गिनती
- 4. डेटा विश्लेषण

### ■ उपयोग:

- पुरातत्व, भूविज्ञान, जीवाश्म, जलवायु अध्ययन
- मेहरगढ़ में उपयोग:
- AMS तकनीक से नई तिथि (5200 ईसा पूर्व) निर्धारित की गई

- **प्रश्न 1: मेहरगढ़ पुरास्थल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**
- 1. यह भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि और पशुपालन की सबसे प्रारंभिक साक्ष्यों में से एक है।
- 2. यहाँ मानव अस्थियों के साथ-साथ दाँतों की सर्जरी के प्रमाण भी मिले हैं।
- 3. यह स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा खोजा गया था।
- सही उत्तर चुनिए:
  - A. केवल 1 और 2
  - B. केवल 2 और 3
  - C. केवल 1 और 3
  - D. 1, 2 और 3

- सही उत्तर: A. केवल 1 और 2
- **व्याख्या:**
  - कथन 1 सही है: मेहरगढ़ भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे प्रारंभिक कृषि और पशुपालन के साक्ष्य देता है (लगभग 7000 ई.पू.)
  - कथन 2 सही है: मेहरगढ़ में एक व्यक्ति के दाँत में प्राचीन दंत-चिकित्सा (dental drilling) के प्रमाण मिले हैं जो मानव इतिहास में पहली सर्जरी मानी जाती है।
  - कथन 3 गलत है: मेहरगढ़ की खुदाई फ्रांसीसी पुरातत्वविदों द्वारा की गई थी, न कि ASI द्वारा।

- **प्रश्न 2: मेहरगढ़ के बारे में निम्न में से कौन-से कथन सही हैं?**
- 1. यहाँ से अनाज संग्रहण के लिए मिट्टी के बने भंडारण पात्र मिले हैं।
- 2. यहाँ से मृतकों के साथ वस्तुएँ (जैसे आभूषण) दफन करने की परंपरा दिखाई देती है।
- 3. यह स्थल सिन्धु घाटी सभ्यता से प्राचीन और उसका अग्रदूत (precursor) माना जाता है।
- 
- **उत्तर विकल्प:**
- A. केवल 1 और 2
- B. केवल 2 और 3
- C. केवल 1 और 3
- D. 1, 2 और 3



- सही उत्तर: D. 1, 2 और 3
- **व्याख्या:**
  - कथन 1 सही है: मेहरगढ़ में मिट्टी के भंडारण पात्र पाए गए, जिनमें अनाज रखा जाता था यह कृषि की पुष्टि करता है।
  - कथन 2 सही है: यहाँ मृतकों को कब्र में दफनाने की परंपरा थी और उनके साथ वस्तुएँ (जैसे मनके, आभूषण) भी दफन की जाती थीं यह सामाजिक-सांस्कृतिक विकास का संकेत है।
  - कथन 3 सही है: मेहरगढ़ को अक्सर सिंधु घाटी सभ्यता का अग्रदूत माना जाता है क्योंकि यहाँ कई प्रारंभिक विशेषताएँ मौजूद थीं जो आगे चलकर हड़प्पा संस्कृति में विकसित हुईं।



Thank  
you

